सोशल मीडिया का छात्र शिक्षण और व्यवहार पर प्रभाव

डॉ. सतबीर सिंह, सहायक प्रोफेसर, डैफोडिल्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन, फतेहाबाद, हरियाणा
कमलेश, सहायक प्रोफेसर, डैफोडिल्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन, फतेहाबाद, हरियाणा

सारांश

प्रस्तुत शोध कार्य का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन लाना और समाज में उन्हें समायोजित करने के अवसर प्रदान करना है।सोशल मीडिया संचार का सबसे बड़ा साधन है, जिसके माध्यम से लोग देश-विदेश में एक – दूसरे से जुड़ सकते हैं। वर्तमान डिजिटल युग में, सामाजिक मीडिया शिक्षा और समाज दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।यह छात्रों के सीखने और व्यवहार की प्रक्रिया को प्रभावित करता है, जिससे ज्ञान अर्जन के नए-नए अवसर प्राप्त होते हैं।

इस शोध पत्र में सोशल मीडिया के शैक्षिक उपयोग, इसके सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव, और छात्रों के व्यवहार में आने वाले परिवर्तनों का विश्लेषण किया गया है। सामाजिक मीडिया के सकारात्मक प्रभावों में सामाजिक संबंधों में वृद्धि, अध्ययन सामग्री के नए स्रोतों की उपलब्धता, और जानकारी में वृद्धि शामिल हैं। कुछ प्रमुख शोधों में बताया गया है कि 77% उपयोगकर्ता सोशल मीडिया का उपयोग मोबाइल, यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम, और स्नैपचैट से करते हैं।हालांकि, ये मनोरंजन-प्रधान प्लेटफार्म समय की बर्बादी और ध्यान भंग का कारण भी बन सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया काअत्यधिक उपयोग मानसिक स्वास्थ्य, एकाग्रता, और सामाजिक कौशल पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। "इंटरनेट एवं मोबाइल एसोसिएशनऑफइंडिया" द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत के शहरी इलाकों में प्रत्येक चार में से तीन व्यक्ति किसी – न –किसी रूप से सोशल मीडिया का प्रयोग करते हैं।सोशल मीडिया साइबरक्राइम को भी बढ़ावा देता है, जिससे बच्चों के मानसिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

अनेक लाभों के साथ - साथ, सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से उत्पन्न असंख्य चुनौतियाँ भी हैं। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की चुनौतियों और उनसे निपटने के तरीकों के बारे में जागरूक करने के लिए बड़े पैमाने पर जन जागरूकता की तत्काल आवश्यकता है।